हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 23 मार्च 2026, समय 1305

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी- भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के लिए उनका बलिदान देशवासियों की स्मृति में सदैव अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि इन स्वतंत्रता सेनानियों के न्याय, देशभक्ति और निर्भीक प्रतिरोध के आदर्श आज भी अनगिनत भारतीयों में जोश और प्रेरणा का संचार करते हैं।

****

संसद के दोनों सदनों ने आज स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इन वीर सेनानियों ने छोटी आयु में ही देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। श्री बिरला ने कहा कि उनके साहस, शौर्य और अटूट देशभक्ति ने स्वतंत्र भारत की नींव रखी।

राज्यसभा अध्यक्ष सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि उनकी शहादत देश के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का मात्र एक अध्याय नहीं थी, बल्कि इसने राष्ट्र की अंतरात्मा को जागृत करने और लाखों लोगों को औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध एकजुट होने के लिए प्रेरित किया।

****

आज शहीद दिवस के मौके पर भगत सिंह के प्रपौत्र एवं शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह संधु के साथ युवाओं ने बड़ी संख्या में फरीदाबाद में भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने युवाओं से भगत सिंह के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। श्री संधु ने बताया -

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब तक समाज का हर वर्ग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और न्याय प्राप्ति के प्रति आश्वस्त नहीं होगा, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है। मुख्यमंत्री कल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में कानून एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की तरफ से आयोजित क्षेत्रीय दिशा कार्यशाला को संबोधित कर रहे

थे। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, न्याय विभाग के सचिव नीरज वर्मा और संयुक्त निदेशक सुरेश कुमार भी शामिल हुए। इस अवसर पर दिशा जागरूकता वैन, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्रथागत कानूनों पर ई-पुस्तकों का विमोचन तथा दूरदर्शन की दस्तावेजी फिल्म का शुभारंभ भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय विभाग द्वारा लागू की गई 'DISHA' योजना एक महत्वपूर्ण पहल है और इसके लिए 250 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। ताकि 'सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

****

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सिख धर्म के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब को उनके 'ज्योति-जोत' दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, श्री शाह ने कहा कि गुरु हरगोबिंद साहिब ने 'संत-सिपाही' की परंपरा स्थापित की, जिससे सिख धर्म मानवता की रक्षा का एक शक्तिशाली माध्यम बन गया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब की स्थापना करके, गुरु हरगोबिंद साहिब ने सिख धर्म को सुदृढ़ किया और साथ ही हिंदू-सिख एकता का संदेश भी दिया।

****

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कानूनी और नैतिक ढांचा मानव कल्याण पर आधारित होना चाहिए। हमारा ‘विकसित भारत’ का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसी डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करना है जो पूरी तरह से मानव-केंद्रित हो। केंद्रीय विधि राज्यमंत्री हरियाणा में कुरुक्षेत्र जिले के गांव खेड़ी मारकंडा में अंबेडकर एजुकेशन सोसायटी की तरफ से अंबेडकर लॉ कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। श्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, तकनीकी विकास और जनभागीदारी को नई दिशा देगी। केंद्रीय कानून राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने लोगों की सुरक्षा के लिए नए कानून तैयार किए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि प्रत्येक व्यक्ति को सही समय पर उचित न्याय मिलें। सरकार ने ऑनलाइन केस मैनेजमेंट सिस्टम, ई-कोर्ट, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई सहित कई सुधारों की शुरुआत की है । इसके अलावा, न्यायालयों में खाली पदों को भरने और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रयास भी किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, जटिल प्रक्रियाएं, और संसाधनों की कमी जैसी अभी भी कई चुनौतियां हैं, । लेकिन सरकार और न्यायालयों के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है। इससे पहले केंद्रीय विधि राज्यमंत्री अर्जुन मेघवाल व पूर्व सासंद ईश्वर सिंह ने 6 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार

मित्तल भी मौजूद रहे। इसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री ने कानून के विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया और नए कानून को लेकर बातचीत भी की।

****